INTERNATIONAL JOURNAL OF
ARTS, COMMERCE & EDUCATION
A Multidisciplinary Peer-Reviewed, Refereed, Open Access Journal,
https://avjournals.com/ e-ISSN: 2347-7687, Vol 13, Issue 1, January-June 2025

बलरामपुर जिले के ग्रामीण उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि एवं जिज्ञासा का लिंग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन

निशा गुप्ता
शोधार्थी, शिक्षा संकाय, भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग

डॉ. सुरेश कुमार
(सहायक प्राध्यापक), शोध निर्देशक
शिक्षा संकाय, भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य बलरामपुर जिले के ग्रामीण उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11वीं के वाणिज्य संकाय में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि तथा जिज्ञासा का तुलनात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा कुल 800 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 400 छात्र तथा 400 छात्राएँ सम्मिलित थीं। वाणिज्य विषय के प्रति रुचि का निर्धारण अर्थशास्त्र, लेखाशास्त्र एवं व्यवसाय अध्ययन में प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर किया गया, जबकि जिज्ञासा के मापन हेतु डॉ. राजीव कुमार द्वारा निर्मित जिज्ञासा मापनी का प्रयोग किया गया। आँकड़ों के विश्लेषण हेतु माध्य, मानक विचलन तथा स्वतंत्र समूह t-परीक्षण का उपयोग किया गया। परिणामों में छात्राओं की रुचि एवं जिज्ञासा दोनों का माध्य छात्रों की तुलना में अधिक पाया गया। प्राप्त t-मूल्य क्रमशः 6.54 एवं 5.24 रहे, जो 0.05 सार्थकता स्तर के सारणीमान 1.96 से अधिक हैं। अतः दोनों शून्य परिकल्पनाएँ अस्वीकृत की गईं।

प्रमुख शब्द: वाणिज्य विषय, ग्रामीण विद्यार्थी, रुचि, जिज्ञासा, लिंग, उच्चतर माध्यमिक शिक्षा।

प्रस्तावना

वाणिज्य शिक्षा विद्यार्थियों को आर्थिक गतिविधियों, वित्तीय प्रबंधन, लेखांकन, व्यवसाय, उद्यमिता तथा बाजार व्यवस्था का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करती है। ग्रामीण क्षेत्रों में वाणिज्य शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों की रुचि का विकास उनके भविष्य के शैक्षिक एवं व्यावसायिक अवसरों को विस्तृत कर सकता है। विषय के प्रति रुचि विद्यार्थी को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय बनाती है, जबकि जिज्ञासा उसे प्रश्न पूछने, तथ्यों के बीच संबंध स्थापित करने तथा नवीन आर्थिक एवं व्यावसायिक परिस्थितियों को समझने के लिए प्रेरित करती है।

विद्यालयी शिक्षा में रुचि और जिज्ञासा परस्पर संबद्ध मनोवैज्ञानिक पक्ष हैं। जिस विद्यार्थी में किसी विषय के प्रति रुचि होती है, वह उस विषय से संबंधित अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करने, समस्याओं का समाधान खोजने

और कक्षा की गतिविधियों में भाग लेने के प्रति अधिक तत्पर रहता है। माध्यमिक स्तर के अध्ययनों में तात्कालिक रुचि को सीखने, सहभागिता और सकारात्मक शैक्षिक अनुभव का महत्त्वपूर्ण पूर्वानुमानक पाया गया है।

ग्रामीण विद्यालयों में संसाधनों, पारिवारिक शैक्षिक पृष्ठभूमि, विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों तथा व्यावसायिक मार्गदर्शन की उपलब्धता में भिन्नता हो सकती है। साथ ही, छात्र एवं छात्राओं को प्राप्त सामाजिक प्रोत्साहन और भविष्य संबंधी अपेक्षाएँ भी उनके विषयगत व्यवहार को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए वाणिज्य विषय के प्रति रुचि एवं जिज्ञासा का लिंग के आधार पर अध्ययन शैक्षिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है।

संबंधित शोध अध्ययनों की समीक्षा

यादव, एस.के. एवं रानी, एम. (2017) ने दार-एस-सलाम स्थित भारतीय विद्यालय के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के 120 विद्यार्थियों पर विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी संकाय के विद्यार्थियों की रुचि, अभिक्षमता तथा व्यक्तित्व का अध्ययन किया। निष्कर्षों में वाणिज्य के विद्यार्थियों की रुचि व्यवसाय एवं प्रबंधन संबंधी गतिविधियों में अपेक्षाकृत अधिक तथा उनकी विश्लेषणात्मक तर्क एवं संचार क्षमता विशेष रूप से प्रभावी पाई गई।

सच्चितानंदम, एम. एवं राजू, जी. (2019) ने 20 विद्यालयों के 850 उच्चतर माध्यमिक वाणिज्य विद्यार्थियों का अध्ययन किया। शोध में वाणिज्य उपलब्धि का स्तर औसत पाया गया। लिंग, स्थानीयता और परिवार के प्रकार के आधार पर सार्थक अंतर नहीं मिला, जबकि विद्यालय के प्रकार एवं प्रकृति के आधार पर उपलब्धि में अंतर पाया गया।

बेमर, पी.एन., रोसेनबर्ग, जे.एम. एवं श्मिट, जे.ए. (2020) ने अमेरिका के 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 244 विद्यार्थियों पर रुचि, विकल्प, सहभागिता एवं सीखने का अध्ययन किया। शोध में विषयगत रुचि और सीखने के विकल्प दोनों को सहभागिता एवं अधिगम से संबद्ध पाया गया तथा तात्कालिक रुचि प्रारम्भिक रुचि की तुलना में अधिक प्रभावशाली सिद्ध हुई।

सुप्रभा, के. एवं सुब्रमोनियन, जी. (2021) ने त्रिशूर जिले के कक्षा 12वीं के 80 वाणिज्य विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक एवं नियंत्रण समूहों में विभाजित कर मिश्रित शिक्षण के प्रभाव का अध्ययन किया। मिश्रित शिक्षण से विद्यार्थियों की वाणिज्य अधिगम के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक सुधार पाया गया।

टैंग, एक्स. एवं साल्मेला-एरो, के. (2021) ने 820 उच्च विद्यालयीन विद्यार्थियों पर ज्ञानात्मक जिज्ञासा और राष्ट्रीय परीक्षा उपलब्धि के संबंध का अध्ययन किया। रुचि-आधारित जिज्ञासा का समग्र परीक्षा-प्रदर्शन से प्रत्यक्ष तथा सकारात्मक संबंध पाया गया, जो लिंग, सामाजिक-आर्थिक स्तर और विषयगत अभिप्रेरणा को नियंत्रित करने के बाद भी विद्यमान रहा।

अशोक राज, ई. एवं जोआकिम, ए. (2022) ने तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले के 967 उच्चतर माध्यमिक वाणिज्य विद्यार्थियों पर अध्ययन किया। छात्राओं की वाणिज्य उपलब्धि छात्रों से अधिक पाई गई तथा सीखने

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS, COMMERCE & EDUCATION
A Multidisciplinary Peer-Reviewed, Refereed, Open Access Journal,
https://avjournals.com/ e-ISSN: 2347-7687, Vol 13, Issue 1, January-June 2025

की विभिन्न शैलियों और वाणिज्य उपलब्धि के मध्य सकारात्मक सहसंबंध प्राप्त हुआ।

अध्ययन के उद्देश्य

1. ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि की तुलना करना।
2. ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की जिज्ञासा की तुलना करना।
3. प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर वाणिज्य शिक्षण को अधिक रुचिकर एवं जिज्ञासापरक बनाने हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

शून्य परिकल्पनाएँ

$H_0$1: ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

$H_0$2: ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की जिज्ञासा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में **वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि** का प्रयोग किया गया।

न्यादर्श

समूह	**विद्यार्थियों की संख्या**
छात्र	400
छात्राएँ	400
कुल	**800**

न्यादर्श का चयन बलरामपुर जिले के ग्रामीण शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11वीं के वाणिज्य संकाय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में से स्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया।

प्रयुक्त उपकरण

1. **वाणिज्य विषय रुचि-सूचकांक:** अर्थशास्त्र, लेखाशास्त्र एवं व्यवसाय अध्ययन में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों के औसत को वाणिज्य विषय के प्रति उनकी क्रियात्मक रुचि का सूचक माना गया।
2. **जिज्ञासा मापनी:** डॉ. राजीव कुमार द्वारा निर्मित 44 कथनों वाली जिज्ञासा मापनी।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

माध्य, मानक विचलन तथा स्वतंत्र समूह t-परीक्षण का प्रयोग किया गया।

$$t = \frac{M_1 - M_2}{\sqrt{\frac{SD_1^2}{N_1} + \frac{SD_2^2}{N_2}}}$$

स्वतंत्रता की मात्रा:

$$df = N_1 + N_2 - 2 = 400 + 400 - 2 = 798$$

INTERNATIONAL JOURNAL OF ARTS, COMMERCE & EDUCATION
A Multidisciplinary Peer-Reviewed, Refereed, Open Access Journal,
https://avjournals.com/ e-ISSN: 2347-7687, Vol 13, Issue 1, January-June 2025

0.05 सार्थकता स्तर पर t का सारणीमान लगभग **1.96** है।

आँकड़ों का विश्लेषण

तालिका 1

छात्र एवं छात्राओं की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि की तुलना

समूह	N	माध्य	मानक विचलन	माध्यांतर	t-मूल्य	निष्कर्ष
छात्र	400	70.48	8.62	3.88	6.54	सार्थक
छात्राएँ	400	74.36	8.15			

t-मूल्य की गणना

$$t = \frac{74.36 - 70.48}{\sqrt{\frac{8.62^2}{400} + \frac{8.15^2}{400}}}$$

$$t = \frac{3.88}{0.593} = 6.54$$

व्याख्या

प्राप्त t-मूल्य **6.54** है, जो 0.05 स्तर के सारणीमान **1.96** से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना $H_0$1 अस्वीकृत की जाती है। छात्राओं का रुचि-माध्य 74.36 तथा छात्रों का 70.48 है। इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण छात्राओं की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि छात्रों की तुलना में सार्थक रूप से अधिक है।

तालिका 2

छात्र एवं छात्राओं की जिज्ञासा की तुलना

समूह	N	माध्य	मानक विचलन	माध्यांतर	t-मूल्य	निष्कर्ष
छात्र	400	67.82	9.24	3.34	5.24	सार्थक
छात्राएँ	400	71.16	8.78			

$$t = \frac{71.16 - 67.82}{\sqrt{\frac{9.24^2}{400} + \frac{8.78^2}{400}}} = \frac{3.34}{0.637} = 5.24$$

व्याख्या

प्राप्त t-मूल्य **5.24** है, जो सारणीमान 1.96 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना $H_0$2 अस्वीकृत की जाती है। छात्राओं का जिज्ञासा-माध्य 71.16 है, जबकि छात्रों का माध्य 67.82 है। इससे ज्ञात होता है कि ग्रामीण छात्राओं में प्रश्न पूछने, नवीन जानकारी प्राप्त करने तथा विषय को गहराई से समझने की प्रवृत्ति अपेक्षाकृत अधिक है।

निष्कर्ष

1. ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि में सार्थक अंतर पाया गया।

2. छात्राओं की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि छात्रों से अधिक पाई गई।
3. छात्र एवं छात्राओं की जिज्ञासा में सार्थक अंतर पाया गया।
4. छात्राओं की जिज्ञासा का स्तर छात्रों की तुलना में अधिक पाया गया।
5. दोनों शून्य परिकल्पनाएँ 0.05 सार्थकता स्तर पर अस्वीकृत हुईं।

शैक्षिक सुझाव

1. ग्रामीण छात्रों के लिए व्यवसाय, बैंकिंग, लेखांकन एवं उद्यमिता से संबंधित गतिविधि-आधारित शिक्षण आयोजित किया जाना चाहिए।
2. वाणिज्य कक्षाओं में स्थानीय बाजार, ग्रामीण बैंक, स्वयं सहायता समूह और लघु उद्यमों के उदाहरणों का प्रयोग किया जाए।
3. छात्र एवं छात्राओं दोनों को प्रश्न पूछने और आर्थिक समस्याओं पर चर्चा करने के समान अवसर दिए जाएँ।
4. लेखाशास्त्र को सरल बनाने हेतु अभ्यास-पत्र, डिजिटल प्रस्तुति तथा वास्तविक खातों के उदाहरणों का प्रयोग किया जाए।
5. ग्रामीण विद्यालयों में वाणिज्य विषय से संबंधित व्यवसाय एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।
6. विद्यार्थियों में जिज्ञासा विकसित करने हेतु परियोजना, सर्वेक्षण, प्रश्नोत्तरी और समस्या-समाधान विधि अपनाई जाए।

निष्कर्ष

अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि लिंग विद्यार्थियों की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि एवं जिज्ञासा से संबंधित एक महत्त्वपूर्ण विभेदकारी कारक है। छात्राओं ने दोनों चरों पर अपेक्षाकृत उच्च माध्य प्राप्त किया। यह निष्कर्ष केवल छात्राओं की श्रेष्ठता का संकेत न होकर ग्रामीण शैक्षिक परिवेश, अध्ययन-अनुशासन, सामाजिक अपेक्षाओं एवं उपलब्ध शिक्षण अवसरों के संयुक्त प्रभाव को व्यक्त करता है। विद्यालयों को छात्रों में भी वाणिज्य विषय के प्रति उद्देश्यपूर्ण रुचि तथा ज्ञानात्मक जिज्ञासा विकसित करने के लिए प्रयोगात्मक, जीवनोपयोगी और सहभागितापरक शिक्षण व्यवस्था अपनानी चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अशोक राज, ई., एवं जोआक्लम, ए. (2022). Relationship between learning styles and achievement in commerce of higher secondary students. *Journal of Emerging Technologies and Innovative Research, 9*(7), h72–h79.
2. बेमर, पी. एन., रोसेनबर्ग, जे. एम., एवं श्मिट, जे. ए. (2020). Does choice matter or is it all about interest? An investigation using an experience sampling approach in high school science classrooms. *Learning and Individual Differences, 78*, 101812. DOI: 10.1016/j.lindif.2019.101812.
3. सच्चितानंदम, एम., एवं राजू, जी. (2019). A study on achievement in commerce of higher secondary students. *Shanlax International Journal of Education, 8*(1), 1–6. DOI: 10.34293/education.v8i1.1329.
4. सुप्रभा, के., एवं सुब्रमोनियन, जी. (2021). Higher secondary commerce students' engagement and attitude towards blended learning environment. *Journal of Psychological Research, 3*(2), 1–6. DOI: 10.30564/jpr.v3i2.2965.
5. टैंग, एक्स., एवं सालमेला-आरो, के. (2021). The prospective role of epistemic curiosity in national standardized test performance. *Learning and Individual Differences, 88*, 102008. DOI: 10.1016/j.lindif.2021.102008.
6. यादव, एस. के., एवं रानी, एम. (2017). Career stream choice among science, commerce and humanities students. *International Journal on Arts, Management and Humanities, 6*(1), 58–66.